शिष्यता के अनिवार्य तत्व

अनिवार्य शिक्षाएं

पारिवारिक जीवन

अध्याय 7 : मसीही परिवार का चुनौतियों से सामना

परिवार पररमेष्वर का दिया, परमेष्वर द्वारा आषीषत इकाई है जिसे वह अपने राज्य के लिये बड़ें पैमाने पर इस्तेमाल करना चाहता हैं, इसलिये परिवार पर हमला करने की संभावना, किसी अकेले पर किये गये हमले से कहीं अधिक होता है। परिवार के लिये परमेष्वर की रचना को पुनः देखने पर हम अधिक स्पष्ट रूप से जान सकते और चुनौतियों के खिलाफ अपने परिवार की रक्षा कर सकते हैं।

जब भी आप कई पापियों को अपने घर पर एक साथ रखते हैं, आप व्यक्तित्व और इच्छा रूपी समस्याओं के बीच बंध जाते हैं। इसीलिए, एक घर में अपेक्षित व्यक्ति विषेष की असहमति से परिवारिक इकाई पर चुनौतियों का एक बड़ा बोझ बाहरी प्रभावों से आता है, जो आपके परिवार को कमजोर बनाना चाहता है।

बाइबल हमें स्पष्ट रूप से सिखाती है की इस संसार में हमें क्लेष होगा (यूहन्ना 16:33) हम चुनौतियों और कठिनाइयों की अपेक्षा करते हैं, क्योंकि कि हमारे स्वयं के पापमय स्वभाव और संसार का पापमय स्वभाव दोनों हमारे चारों ओर हैं। हम यह भी जानते है कि हमारे संघर्ष वास्त में आत्मिक प्रबलताओं के विरूद्ध है (इफिसियों 6:12) व्यक्तिगत या पारिस्थितिक मुद्दों से नहीं है, जिसे हम देख सकते हैं। यह हमें ब ड़ा सुकुन देता है जब अपने परिवार में हम चुनौतियों का मामना करते हैं। क्योंकि हम जानते है कि हम स्वयं अपने आप से उन्हें नहीं लड़ रहे है, परन्तु पवित्र आत्मा हमारी ओर से है और रक्षा करेगा।

जिस प्रकार की चुनौतियों का सामना आपका परिवार कर रहा है उसका ज्ञात आपको अच्छी तरह से होगा। विचारों के आदान–प्रदान की समस्या, विद्रोही बच्चे, परवरिष संघर्ष, आर्थिक संकट, और बहुत सारे दूसरे मुदें परिवार के सदस्यों को एक दूसरे से अलग होने के लिये डराते हैं। परीक्षा से कई व्यक्तिगत को एक छत के नीचे रहना मुष्किल हो जाता है, जबकि उन्हें एक दृढ़ता से आपस में जुड़े हुए होना चाहिए। परन्तु घर में इस प्रकार का व्यक्तिविषेषवाद परिवार के लिये परमेष्वर के भले उददेष्य को भीतर से खोखला कर देता है, और जो वास्तव में हमारे शत्रु की दृष्टि में सफलता के रूप में देखा जाता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि नकारात्मक प्रभावों के प्रकार को परिवार को रोकना चाहिए। ये सभी व्यक्ति विषेष सभी मसीही के लिये सच है – परन्तु साथ ही साथ यह परिवार के लिये भी लागू होता है। पहले, मरकुस अध्याय 4 बीज बोने वाले के दृष्टान्त में ओर इफिसियों 2:1–3 में बाइबल हमें कुछ ऐसे मार्ग के बारे में सिखाती है, जिसमें हम गिर सकते हैं या फिर अपने विष्वास में चुनौती पा सकते हैं। इसे सामान्यतया वाक्यांष "संसार, देह और शैतान" द्वारा संक्षिप्त में कहा जाता है। इस संसार की परीक्षाएँ और मान्यताएँ, अपने पापमय देह की बुरी अभिलाषा, और शैतान का सीधा प्रहार सचमुच में लोगों के लिये पूरी तरह से उनके घर में और उनके परिवार में भय को उत्पन्न करता है।

मैं ने ये बातें तुम से इसलिए कहीं हैं कि तुम्हे मुझ में ष्षान्ति मिल,संसार में तुम्हें क्लेष होता है, परन्तु ढांढ़स बाधों, मैं ने संसार को जीत लिया है। यूहन्ना 16:33

हम सब का एक ही शत्रु हैः शैतान जो चुराने, घात करने और नाष करने आया है (यूहन्ना 10:10) निष्चय ही, वह षिकर की खोज में घुमने वाला शेर के समान है कि व्यक्ति विषेष को निगल जाए। इसीलिये, हमें इस बात का ध्यान रखना है कि वह हमारे परिवारों को भी निगल जाने की ताक में है। परिवार के महत्व को समझना एक गंभीर बात है। जिस प्रकार विवाह मसीह और कलीसिया के बीच रिष्ते को दर्षाता है, वैसे ही परिवार एक छोटी कलीसिया के रूप में कलीसिया के भीतर कार्य करता है। परिवार की संरचना और कार्य मसीह की देह को दिखाता है और इस प्रकार यह शत्रु के आक्रमण के लिये एक निषाना है। नजरे लगाई दुनिया पर परिवार का अधिकार एवं प्रभाव के बारे में हमारा शत्रु जानता है और वह इसे खोखला करना चाहता है।जब हमारा परिवार शान्तिपूर्ण मेलमिलाप के साथ ईष्वरीय भय में चलता, प्रभु यीषु मसीह के अनुग्रह में जीता है, तब संसार चुप बैठकर ध्यान से देखता हैं। परमेष्वर का राज्य बढ़ रहा है, परिवारों के क्रिया द्वारा जैसे कि कलीसिया अपने आस पड़ोस में परमेष्वर के वचन की सच्चाई को थामे हुए और उन लोगों को चुला बनाने चल पड़े है जो उनके प्रभाव के घेरे में हैं और ईष्वरीय लोगों को षिष्यता के गुण सीखाना चाहते हैं।

एक कलीसिया में एकता बहुत ज़रूरी है। एक परिवार में भी एकता अति आवष्यक है। मसीहियों के लिये कड़ी चेतावनी है कि वे सुनिष्चित करले कि वे निरन्तर समुह के रूप में एकत्रित हों, 'कलीसिया' को एकता कि उन्हें परमेष्वर के वचन सीखाया जा सके, वे आराधना कर सकें, सेवा कर सकें, वे एक दूसरे की खबर रख सके, और बहुत कुछ

परिवार को भी 'एक साथ मिलकर' रहने की जरूरत है और जब एक पिता परिवार में घर के मुखिया की जिम्मेदारी लेता है, तब परिवार ईश्वरीय गुणों में बढ़ने लगेगा ठीक उसी तरह जैसा कि कलीसिया करती है जब वे एक साथ मिलते हैं।

जब परिवार की एकता का पतन होना शुरू होता है और उसके सदस्य परिवार की मंजूरी एवं पहचान नहीं रखना चाहते हैं, तब संसारिक मान्यताएँ ऊपर आने लगती हैं, जब व्यक्ति विषेष का स्वार्थ और शारीरिक अभिलाषा अच्छाईयों पर हावी होने लगता है, तब शत्रु परमेष्वर के महान् आज्ञाओं में से एक को शक्तिहीन करने में सफल हो जाता है। जैसे कि एक शेर बीमार या कमजोर षिकार को सुरक्षित झुण्ड से अलग करता है, इसी प्रकार शत्रु हमारे भी परिवारों में एक अकेले और असुरक्षित व्यक्ति को हमारे घरों में देखकर फाड़ खाने की तलाष में रहता है। यह केवल अकेले और परिवार का ही नाष नहीं करता, परन्तु परिणाम स्वरूप कलीसिया को भी शक्तिहीन कर देता है।

जैसे कि एक शेर बीमार या कमज़ोर षिकार को सुरक्षित झुण्ड से अलग करता है, इसी प्रकार शत्रु हमारे भी परिवारों में एक अकेले और असुरक्षित व्यक्ति को हमारे घरों में देखकर फाड़ खाने की तलाष में रहता है।

संसारिक प्रभाव से संघर्ष, आर्थिक दबाव, समाज में विवाह का महत्व न समझना, तलाक, पिता का अनुपस्थिति नषा लत आपके विष्वास (धर्म) के कारण समाज की ओर से सताव कुछ ऐसी चुनौतियाँ हैं, जिनका सामना परिवारों को करना पड़ता है। ये बाहरी प्रबलताएँ विनाषकारी होते है, परन्तु माता–पिता जो अपने परिवार का नेतृत्व करते हैं, अपने बच्चों की सुरक्षित चरवाई में चरवाही अच्छे तरह से कर सकते हैं और उन पर नजर रख सकते हैं।

जब परिवार मजबुत होते हैं तो कलीसिया भी मजबुत होते हैं। हमारा शत्रु यह जानता है। और इसलिये हमें अपने घरों की रक्षा और देखभाल यत्नषील परिवारों के रूप में करना चाहिए, इच्छा पूर्वक एक साथ समय बीताना, एक साथ प्रार्थना करना, एक साथ आराधना करना, एक साथ सेवा करना और साथ ही परमेष्वर का वचन पढ़ना चाहिए। किसी भी प्रकार का आत्मिक अगुवापन घर को मजबुत करने के साथ शुरू होता है। यदि आप दूसरों की आत्मिक ज़रूरतों की चिंता करते हैं, तो अपने परिवार की भी चिंता ठीक उसी तरह रखना सीखिए। किसी भी ऐसी चीज पर नजर रखिए जो इसका टूकड़ा कर सकता हो।

इस प्रकार का उददेष्य और चिंता होना आपके परिवार को बाहरी प्रलोभनों से बचाने में सहायता करेगा, और आपके परिवार को विभिन्न चुनौतियों से जिनका सामना वे करते है पर जय दिलाने में सहायता करेगा। यह आपको यह भी याद दिलाएगा कि महान् आदेष को केवल अकेले ले जाने के बजाय समुह के रूप में ले जाना चाहिए। प्रभु की मनसा यह नहीं है कि परिवार अपने आपको अकेला करले और चुनौतियों से छुपते रहें और उसके विरूद्ध प्रहार करे, परन्तु प्रभु चाहता है कि परिवार प्रभु की सामर्थ में बलवन्त होता जाए और बाहर (संसार) जाए, उसकी कलीसिया की सुन्दरता को प्रगट करे और सारे जाति के लोगों को चेला बनाए। कितना सुनहरा अवसर है!

सुर्खियां

- बहुत से परिवार एक समान परीक्षाओं और चुनौतियों का सामना करते हैं जैसा एक अकेला व्यक्ति करता है, परन्तु हमारा शत्रु अकेले व्यक्ति की तुलना में परिवार में अनेक उददेष्यों के साथ आक्रमण करता है।

- मसीही परिवार कलीसिया के भीतर कलीसिया की एक तस्वीर होती है।

- पारिवारिक एकता परिवार के अकेले सदस्य की रक्षा हेतु बहुत ज़रूरी है, परन्तु कलीसिया की सामर्थ की रक्षा हेतु भी बहुत ज़रूरी है।

अब आप बताएँ

- उन चुनौतियों की ओर देखिए जिनका वर्तमान समय में आपका परिवार सामना कर रहा है। क्या आप देख सकते हैं कि आप की एकता को कमजोर करने के लिये किस प्रकार आक्रमण करने की तैयारी की गयी है? इस आक्रमण से कैसे लड़ सकते हैं?

- विचार करें कि कैसे परिवार को कलीसिया को दिखाना चाहिए? क्या आप ऐसे भागों को देख सकते हैं जहाँ आप बड़ी इच्छाओं को इस क्षेत्र में विकसित कर सकते हैं? क्या आपने पारिवारिक परमेष्वर पर एक साथ ध्यान लगाया है? क्या आप नियमित रूप से एक साथ प्रार्थना करते हैं? दूसरों की सेवा या सुसमाचार का प्रचार एक साथ करते हैं? कुछ संभावित बातों की सूची तैयार करें और चर्चा करें कि एक परिवार के रूप में इस क्षेत्र में आगे बढ़ने केलिये आप क्या कर सकते हैं?

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing